http://www.ukboardonline.com

रोल नं. | | | | | | | | |

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

001

201 (HXA)

2016

हिन्दी

समय : 3 घण्टे] [पूर्णांक : 100

निर्देश : (i) इस प्रश्न पत्र के **दो** खण्ड 'अ' तथा 'ब' हैं। दोनों खण्डों में पूछे गये सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(ii) उत्तर यथासम्भव क्रमवार लिखिए। प्रश्नों के अंक उनके सम्मुख अंकित हैं।

खण्ड – 'अ'

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 2×5 = 10

कहने को चाहे भारत में स्वशासन हो और भारतीयकरण का नारा हो, किंतु वास्तविकता में राम और आस्थाहीनता बढ़ती जा रही है। मंदिरों, मस्जिदों, गुरुद्वारों या चर्च में बढ़ती भीड़ और प्रचार माध्यमों द्वारा मेलों और पर्वों के व्यापक कवरेज से आस्था के संदर्भ में कोई भ्रम मत पालिए, क्योंकि यह सब उसी प्रकार भ्रामक है जैसे 'लगे रहो मुन्ना भाई' की गाँधीगिरी।

वास्तविक जीवन में जिस आचरण की अपेक्षा व्यक्ति या समूह से की जाती है उसकी झलक तक पाना मुश्किल हो गया है। यही कारण है कि गाँधीगिरी की काल्पनिक अवधारणा से महत्व पाने के लिए कुछ लोगों की नौटंकी की वाहवाही प्रचार माध्यमों ने जमकर की, लेकिन अब गाँधी जयन्ती बीतने के बाद न तो कोई गुलाब का फूल भेंट करता दिखाई देता है और न ही कोई छूट वाले काउन्टरों से गाँधी टोपी ही खरीदता नजर आता है। गाँधी को 'गिरी' के रूप में आँकने के सिनेमाई कथानक का कोई स्थाई प्रभाव हो ही नहीं सकता। फिल्म उतरी और प्रभाव चला गया। गाँधी को बाह्य आवरण से समझने के कारण वर्षों से हम दो अक्टूबर और तीस जनवरी को कुछ आडम्बर अवश्य करते चले आ रहे हैं, लेकिन जिन जीवन–मूल्यों के प्रति आस्थावान होने की हम सौगन्ध खाते हैं और उन्हें आचरण में उतारने का संकल्प व्यक्त करते हैं, उसका लेशमात्र प्रभाव भी हमारे आसपास के जीवन में प्रतीत नहीं होता। जिसे हमने स्वतंत्रता के लिए संग्राम की संज्ञा दी थी, उस सम्पूर्ण प्रयास को गाँधी जी ने स्वराज्य के लिए अभियान की संज्ञा प्रदान की थी। "स्वतंत्रता के लिए संघर्ष" और "स्वराज्य के लिए अभियान" का अंतर अतीत का संज्ञान रखने वाले ही समझ सकते हैं। विदेशियों के सत्ता में रहने के बावजूद हम स्वतंत्र थे, क्योंकि हमारी आस्था 'स्व' निरन्तर प्रगाढ़ होती जा रही थी। 'स्व' में आस्था की प्रगाढ़ता के लिए निरन्तर प्रयास होते रहे। इसलिए गाँधी जी का अभियान स्वराज्य का था स्वतंत्रता का नहीं। उनके स्वराज्य की भी एक निश्चित अवधारणा थी। सर्वसाधारण को वह अवधारणा समझ में आ सके, इसलिए उन्होंने कहा था कि हमारा स्वराज्य रामराज्य होगा।

जिस सारे जीवन और उच्च विचार को आधार बनाकर वे भारत को आध्यात्मिक गुरु के रूप में विश्व के समक्ष खड़ा करना चाहते थे, उस भारत की स्वशासन व्यवस्था ने भौतिक भूख की आग को इतना अधिक प्रज्ज्वलित कर दिया है कि अब हमने येन–केन–प्रकारेण सफलता हासिल करने के लिए जीवन के सभी क्षेत्रों में अपने स्थापित मूल्यों को तिलांजलि दे दी है।

(क) 2 अक्टूबर और 30 जनवरी किसलिए विशेष हैं ? (ख) स्वराज्य और स्वतंत्रता में क्या अन्तर है ?

(ग) गाँधी जी कैसा स्वराज्य चाहते थे ? (घ) स्वशासन व्यवस्था ने कौन सी विसंगति दी है ?

(ङ) उक्त गद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

2. दिए गए संकेत–बिन्दुओं के आधार पर किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबन्ध लिखिए – 10

(क) 'जनसंख्या वृद्धि का संकट' :

(i) देश में आबादी की वृद्धि दर (ii) भारत में जनसंख्या वृद्धि से उत्पन्न समस्याएँ

(iii) जनसंख्या वृद्धि से विकास पर पड़ने वाले प्रभाव (iv) जनसंख्या नियंत्रण के उपाय

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

(ख) 'सूचना प्रौद्योगिकी' :

(i) विज्ञान एवं सूचना प्रौद्योगिकी (ii) सामाजिक आवश्यकता

(iii) कम्प्यूटर– एक वरदान (iv) जन जीवन पर सूचना प्रौद्योगिकी का प्रभाव

3. अपने जन्मदिन पर मित्र द्वारा भेजे गए उपहार के लिए धन्यवाद पत्र लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है) 5

अथवा

अपने विद्यालय के प्रधानाचार्य को तीन दिन के अवकाश हेतु प्रार्थना पत्र लिखिए। अवकाश का उचित कारण अवश्य लिखिए। (आपका काल्पनिक नाम क ख ग है)

4. निम्नलिखित वाक्यों में से क्रियापद छाँटकर उसका भेद लिखिए – 1×2 = 2

(क) गोस्वामी तुलसीदास ने रामचरितमानस लिखी।

(ख) गुरुजी शिष्य को पुस्तक पढ़ाते हैं।

यथा निर्देश उत्तर लिखिए – 1×2 = 2

(ग) रमेश प्रतिदिन योग करता है। (क्रिया विशेषण छाँटकर लिखिए)

(घ) रमेश ने मेहनत की इसलिए सफल हुआ। (समुच्चय बोधक शब्द छाँटकर लिखिए)

5. निर्देशानुसार परिवर्तन कीजिए – 1×4 = 4

(क) मेरा भारत महान है। (निषेधात्मक वाक्य बनाइए)

(ख) प्रत्येक व्यक्ति ईमानदार होता है। (प्रश्नवाचक वाक्य में बदलिए)

(ग) विद्यार्थियों द्वारा पुस्तक पढ़ी गई। (कर्तृवाच्य में बदलिए)

(घ) मैंने यथासमय काम पूरा कर लिया था। (कर्मवाच्य में बदलिए)

6. (क) निम्नलिखित शब्दों में कौन सा शब्द 'समुद्र' का पर्यायवाची नहीं है – 1

(i) जलधि (ii) जलद (iii) नीरधि (iv) अम्बुधि

(ख) निम्नलिखित में से कौन सा शब्द 'कमल' का समानार्थी है – 1

(i) मेघ (ii) नीरद (iii) नीरज (iv) अम्बुद

7. निम्नलिखित काव्यांशों को पढ़कर किसी एक काव्यांश के नीचे दिए गए किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 3×2 = 6

(i) हमारैं हरि हारिल की लकरी।
मन क्रम बचन नंद–नंदन उर, यह दृढ़ करि पकरी।
जागत सोवत स्वप्न दिवस–निसि, कान्ह–कान्ह जक री।
सुनत जोग लागत है ऐसौ, ज्यौं करुई ककरी।
सु तौ व्याधि हमकौं लै आए, देखी सुनी न करी।
यह तौ 'सूर' तिनहिं लै सौंपौ, जिनके मन चकरी ।।

(क) श्रीकृष्ण के प्रति गोपियों ने अपना अनन्य प्रेम किस प्रकार अभिव्यक्त किया है ?

(ख) श्रीकृष्ण को 'हारिल की लकरी' मानने का क्या भाव है ?

(ग) योग की बातें गोपियों को कैसी प्रतीत होती हैं ?

(ii) छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना।
http://www.ukboardonline.com
यश है या न वैभव है, मान है न सरमाया;
जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया।
प्रभुता का शरण–बिंब केवल मृगतृष्णा है,
हर चंद्रिका में छिपी एक रात कृष्णा है।
जो है यथार्थ कठिन उसका तू कर पूजन –
छाया मत छूना
मन, होगा दुख दूना।

(क) काव्य पंक्तियों में प्रयुक्त 'छाया' शब्द का अभिप्राय बताइए।

(ख) 'जितना ही दौड़ा तू उतना ही भरमाया' पंक्ति का आशय बताइए।

(ग) 'मृगतृष्णा' शब्द का प्रयोग कविता में किस अर्थ में किया गया है ?

8. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए – 3×2 = 6

(क) जब मन प्रसन्न हो तो हर तरफ फागुन का ही सौन्दर्य व उल्लास दिखाई देता है। 'अट नहीं रही है' कविता के आधार पर उक्त कथन की व्याख्या कीजिए।

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

(ख) 'भ्रमरगीत' से आप क्या समझते हैं तथा भ्रमर को किसका प्रतीक माना गया है ?

(ग) 'उज्ज्वल गाथा कैसे गाऊँ, मधुर चाँदनी रातों की' – पंक्ति के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है ?

9. (क) 'फसल' कविता के आधार पर बताइये कि फसल को 'हाथों के स्पर्श की गरिमा' और 'महिमा' कहकर कवि क्या व्यक्त करना चाहता है ? 2

(ख) मंगलेश डबराल की कविता 'संगतकार' से आपने क्या भाव ग्रहण किया ? संक्षेप में समझाइए। 2

10 निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर किसी एक गद्यांश के नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए – $2\times2=4$

(i) अत्रि की पत्नी पत्नी–धर्म पर व्याख्यान देते समय घंटों पाण्डित्य प्रकट करे, गार्गी बड़े–बड़े ब्रह्मवादियों को हरा दे, मंडन मिश्र की सहधर्मचारिणी शंकराचार्य के छक्के छुड़ा दे ! गजब ! इससे अधिक भयंकर बात और क्या हो सकेगी! यह सब पापी पढ़ने का अपराध है। न वे पढ़तीं, न वे पूजनीय पुरुषों का मुकाबला करतीं। यह सारा दुराचार स्त्रियों को पढ़ाने का ही कुफल है। समझे। स्त्रियों के लिए पढ़ना कालकूट और पुरुषों के लिए पीयूष का घूँट! ऐसी ही दलीलों और दृष्टांतों के आधार पर कुछ लोग स्त्रियों को अपढ़ रखकर भारतवर्ष का गौरव बढ़ाना चाहते हैं।

(क) प्राचीन भारत में स्त्री–शिक्षा की स्थिति सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'स्त्रियों के लिए पढ़ना कालकूट और पुरुषों के लिए पीयूष का घूँट!' इस कथन से लेखक का क्या अभिप्राय है ? स्पष्ट कीजिए।

(ii) संस्कृति के नाम से जिस कूड़े–करकट के ढेर का बोध होता है, वह न संस्कृति है न रक्षणीय वस्तु। क्षण–क्षण परिवर्तन होने वाले संसार में किसी भी चीज को पकड़कर बैठा नहीं जा सकता। मानव ने जब–जब प्रज्ञा और मैत्री भाव से किसी नए तथ्य का दर्शन किया है तो उसने कोई वस्तु नहीं देखी है, जिसकी रक्षा के लिए दलबंदियों की जरूरत है।

मानव संस्कृति एक अविभाज्य वस्तु है और उसमें जितना अंश कल्याण का है, वह अकल्याणकर की अपेक्षा श्रेष्ठ ही नहीं स्थायी भी है।

(क) कौन सी वस्तु रक्षणीय नहीं है और क्यों ?

(ख) 'मानव संस्कृति एक अविभाज्य वस्तु है।' इस कथन को स्पष्ट कीजिए।

11. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखिए – $2\times2=4$

(क) 'नेताजी का चश्मा' पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि हालदार साहब चश्मे वाले की देशभक्ति के प्रति क्यों नतमस्तक थे ?

(ख) फादर की उपस्थिति देवदार की छाया जैसी क्यों लगती थी ?

(ग) 'एक कहानी यह भी' नामक आत्मकथ्य में लेखिका के पिता ने रसोई को भटियारखाना कहकर क्यों संबोधित किया है ?

12. (क) बालगोबिन भगत के व्यक्तित्व की विशेषताओं का निरूपण कीजिए। 2

(ख) पठित आत्मकथ्य के आधार पर स्वाधीनता आन्दोलन के परिदृश्य का संक्षिप्त चित्रण करते हुये उसमें मन्नू जी की भूमिका को रेखांकित कीजिये। 3

13. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लिखिए – $2\times3=6$

(क) जार्ज पंचम की लाट की नाक को पुनः लगाने के लिए मूर्तिकार ने क्या–क्या यत्न किये ?

(ख) गंतोक को 'भेहनतकश बादशाहों का शहर' क्यों कहा जाता है ? स्पष्ट कीजिए।

(ग) 'माता का अँचल' पाठ में तीन दशक की ग्राम्य संस्कृति का चित्रण है। आज की ग्रामीण संस्कृति में आपको किस प्रकार के परिवर्तन दिखायी देते हैं ?

(घ) हिरोशिमा की घटना पर लेखक की मनःस्थिति का चित्रण अपने शब्दों में कीजिए।

खण्ड – 'ब'

14. अधोलिखितं गद्यांशं पठित्वा त्रीन् प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत – $2\times3=6$

(निम्न गद्यांश को पढ़कर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)

हरिद्वारम् उत्तराखण्डस्य ऐतिहासिकं, सांस्कृतिकं, पौराणिकं, विश्वविख्यातं नगरम् अस्ति। भारतीया संस्कृतिः, राष्ट्रियैक्यभावः, देशस्य गरिमाबोधः च हरिद्वारस्य कणे–कणे व्याप्ताः सन्ति। पतितपावनी, पापविमोचनी, मोक्षदायिनी, भगवती भागीरथी गंगा पर्वतशिखराणां मध्ये विचरन्ती कलकलनिनादं त्यक्त्वा शान्तस्वरेण हरिद्वारतः एव समभूमिं

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

प्रविशति। गंगाम् उभयतः मन्दिराणि, घट्टाः, आश्रमाः च सन्ति। तान् निकषा जनाः पूजां कुर्वन्ति। हरिद्वारम्, हरद्वारम्, स्वर्गद्वारम्, तपोवनम्, मायाक्षेत्रम्, मायापुरी, कपिलाश्रमः, कपिला च अस्यैव पुण्यक्षेत्रस्य हरिद्वारस्य अपराणि नामानि पुराणेषु वर्णितानि सन्ति।

(क) हरिद्वारम् नगरं कुत्र शोभते ? (ख) हरिद्वारस्य कणे–कणे के व्याप्ताः सन्ति ?

(ग) गंगा समभूमौ कुतः प्रवहति ? (घ) हरिद्वारस्य कानि नामानि पुराणेषु वर्णितानि सन्ति ?

15. अधोलिखितं पद्यांशं पठित्वा द्वौ प्रश्नौ पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×2 = 4

(निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)

नितरां नीचोऽस्मीति त्वं खेदं कूप मा कृथाः।
अत्यन्तसरसहृदयो यतः परेषां गुणग्रहीतासि ।।

(क) नितरां नीचः कः ? (ख) कूप किमर्थं दुःखम् अनुभवति ?

(ग) अत्यन्तसरसहृदयो यतः केषां गुणग्रहीतासि ?

16. पठित पाठाधारितान् त्रीन प्रश्नान् पूर्णवाक्येन उत्तरत – 2×3 = 6

(पठित पाठ के आधार पर किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर पूर्ण वाक्य में दीजिए)

(क) गंगा कुतः प्रवहति ? (ख) सज्जनाः कीदृशाः भवन्ति ?

(ग) नीरक्षीर विवेकी कः अस्ति ? (घ) राजा रघुः कस्य पुत्रः आसीत् ?

17. अधोलिखितेषु शब्देषु यथोचितं शब्दं चित्वा केवलं चत्वारि रिक्त स्थानानि पूरयत – 1×4 = 4

(निम्नलिखित दिए गए शब्दों में से उचित शब्द चुनकर किन्हीं चार वाक्यों में रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)

शब्द सूची– आसीत्, पश्यति, मुनयः, सताम्, वृक्षाः, मन्दिराणाम्

(क) बालकः दूरदर्शनम् .....। (ख) जनकः जनकपुरस्य राजा .....।

(ग) मानवं पुत्रवत् ..... तारयन्ति। (घ) गङ्गातीरे ..... निवसन्ति।

(ङ) परोपकाराय ..... विभूतयः। (च) हरिद्वारं ..... नगरम् अस्ति।

18. अधोलिखितेभ्यः यथानिर्देशं केवलं त्रीन प्रश्नान् उत्तरत – 2×3 = 6

(निम्न प्रश्नों में से निर्देशानुसार किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर दीजिए)

(क) सन्धिं कुरुत (सन्धि कीजिए) – विष्णो + अव , प्र + एजते

(ख) सन्धि विच्छेदं कुरुत (सन्धि विच्छेद कीजिए) – इत्यादि , नायकः

(ग) समास विग्रहं कृत्वा समासस्य नामोल्लेखं कुरुत (समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए) – पंचवटी , महापुरुषः

(घ) अधोलिखितेभ्यः पदेभ्यः उपसर्गान् पृथक्कृत्वा लिखत (निम्नलिखित पदों में उपसर्ग अलग कर लिखिए) – अभिमान , उपहार

(ङ) कोष्ठके प्रदत्तेषु शब्देषु शुद्धं शब्दं चित्वा रिक्त स्थानानि पूरयत –
(कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से शुद्ध शब्द चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए)

(i) गंगा ..... निस्सरति। (हिमालयेन/हिमालयात्)

(ii) रामः ..... बालिनम् हतवान्। (बाणात्/बाणेन)

19. निम्नांकित शब्दानाम् आधारेण चतुर्णाम् वाक्यानां निर्माणं कुरुत – 1×4 = 4

(निम्न शब्दों में से किन्हीं चार का वाक्यों में प्रयोग कीजिए)

(क) पठिष्यामि (ख) अहम् (ग) उपवनम् (घ) मातुलः (ङ) अत्र (च) सः

अथवा

अधोलिखित वाक्येभ्यः द्वयोः संस्कृतानुवादं कुरुत – 2×2 = 4

(निम्न वाक्यों में से किन्हीं दो का संस्कृत में अनुवाद कीजिए)

(क) तुम दोनों वहाँ गये। (ख) बालक विद्यालय जाते हैं।

(ग) मैं कल प्रयाग जाऊँगा।

****

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com

http://www.ukboardonline.com